निदेशक

आईआईटी : भौतिक में एक व रसायन में महज दो सीटें खाली, बाकी फुल

◆ आईआईटी में प्रवेश के लिए चौथा राउंड हुआ शुरू

कानपुर, जागरण संवाददाता : आईआईटी में प्रवेश का चौथा राउंड गुरुवार से शुरू हो गया। तीसरे राउंड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद आईआईटी कानपुर में भौतिक विज्ञान में एक व रसायन विज्ञान विभाग में दो सीटें बची हुई हैं। इसके अलावा अन्य सभी विभागों में हाउस फुल का बोर्ड लग गया है।

चौथे राउंड की काउंसिलिंग के दौरान कानपुर के अलावा मुंबई, दिल्ली, भुवनेश्वर, बीएचयू, मद्रास व हैदराबाद समेत अन्य आईआईटी की बची हुई सीटों पर छात्रों का आवंटन करने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई। इस राउंड में छात्रों के पास सीएस, आईटी, मैकेनिकल, सिविल व केमिकल समेत अन्य ब्रांच की कुछ ही सीटों पर प्रवेश का मौका बचा हुआ है। कानपुर आईआईटी की 827 सीटों में से ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) की वेबसाइट पर केवल तीन सीटें खाली दिखाई जा रही हैं। इस राउंड में शामिल छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया 16 जुलाई तक चलेगी। आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर साइंस की ब्रांच सबसे कम 113 रैंकिंग में ओपन हुई थी 230 रैंकिंग तक के छात्रों ने सभी 85 सीटें लॉक कर दी थीं। इसके बाद इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की सीटों में प्रवेश के लिए 248 से 798 रैंकिंग गई थी। जबकि अर्थसाइंसेज में सर्वाधिक 5433 से 6660 रैंकिंग तक गई है। इस वर्ष 23 आईआईटी की 10 हजार पांच सौ 75 सीटों पर छात्रों को दाखिला दिया जा रहा है।

दैनिक जागरण 15-07-2016

समाचार विशेष

आईआईटी कैंपस में 2 महिलाओं ने की खुदकुशी

चेन्नई, 14 जुलाई (ईएमएस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के मद्रास कैम्पस में बुधवार को एक महिला रिसर्च स्कॉलर तथा एक प्रोफेसर की पत्नी ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च स्कॉलर 34-वर्षीया पी. महेश्वरी को उनके हॉस्टल के कमरे में लटका पाया गया, जिनकी मृत्यु के कारणों की जांच की जा रही है।

आज 15-07-2016

आईआईटी में बीटेक की सीटें फुल, एनआईटी की 173 खाली

कानपुर (ब्यूरो)। ज्वाइंट सीट एलाकेशन अथारिटी ने गुरुवार को आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी और जीएफटी में एडमिशन की चौथी मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। कानपुर और बीएचयू वाराणसी सहित देश की 22 आईआईटी, आईएसएम धनबाद की बीटेक की सभी सीटें भर गई हैं। आईआईटी रुड़की में बी. आर्किटेक्चर की दो सीटें खाली हैं। इस बार की काउंसलिंग से सीट भर जाएगी। एनआईटी, ट्रिपल आईटी और जीएफटी की 173 सीटें अभी खाली हैं।

अमर उजाला 15-07-2016

अब सॉफ्टवेयर कराएगा ओरिएंटेशन

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आईआईटी में पढ़ने आने वाले छात्रों को फीस के लिए ज्यादा फिक्र नहीं करनी चाहिए। जो छात्र किसी भी ऐसे वर्ग में नहीं आते जिन्हें स्कॉलरशिप मिल सके उनके लिए बेनीवोलेंट फण्ड तैयार किया गया है। अण्डर ग्रेजुएट (यूजी) के छात्र 20 जुलाई और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) के छात्र 16 जुलाई से आईआईटी कैंपस में आने लगेंगे। माता-पिता के लिए ओरिएंटेशन 21 जुलाई को होगा। पर माता-पिता कैंपस में ठहर नहीं सकेंगे। इसी तरह अपने सहपाठियों को जानने के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर भी तैयार किया गया है। इसमें रोल नंबर डालते ही उसके बारे में जानकारी मिल सकेगी।

काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब छात्रों का ओरिएंटेशन होना है। छात्रों को पहले से ही हॉस्टल एलॉट कर दिए जाएंगे। यूजी के प्रथम वर्ष के छात्रों को इस बार हॉल 2,3,5 और 10 व छात्राओं को गर्ल्स हॉस्टल एलॉट होना है। थोड़ी सी औपचाकिता पूरी करने के बाद वे अपने हॉल के कक्षों में जा सकेंगे। कैंपस में रोजमर्रा की जरूरतों के सामान

आईआईटी

- आईआईटी में स्कॉलरशिप न मिले तो और भी हैं राहें
- 6 से पीजी, 20 से यूजी छात्रों की दस्तक 21 को माता-पिता मिलेंगे

उपलब्ध रहेंगे। इनकी खरीदारी कैंपस में की जा सकेगी। इसमें साइकिलें भी शामिल हैं। इनकी कैंपस में पढ़ाई के दौरान अधिक आवश्यकता पड़ती है।

काउंसिलिंग के लिए टीमें गठित : प्रोफेसुर एमके घोराई को काउंसिलिंग टीम का मुखिया बनाया गया है। उनके साथ छात्र-छात्राओं की टीमें हैं जो नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए अभिभावक की भूमिका निभाएंगे। 150 से अधिक शिक्षकों और छात्रों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इमोशनल काउंसिलिंग भी होगी : कक्षा 12 के बाद स्नातक में आते ही बच्चे संस्थानों में अपने को अकेला महसूस करते हैं। ऐसे में इनकी इमोशनल काउंसिलिंग की आवशयकता पड़ती है। सीनियर छात्र इनके बीच सामंजस्य बैठाने का प्रयास करते हैं। वे इनकी चिंताओं को दूर करते हैं। इन्हें कैंपस की सुविधाओं के बारे में बताते हैं ताकि जल्दी से जल्दी छात्र माहौल के साथ सामंजस्य बैठा सकें।

24 घंटे इन्टरनेट, किताबें फ्री : छात्रों को बता दिया गया है कि उन्हें इन्टरनेट वाइफाई के माध्यम से 24 घंटे मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त किताबें भरपूर उपलब्ध रहेंगी। इन्हें छात्रों को खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कैंपस में नहीं ठहर सकेंगे माता-पिता : माता-पिता से कहा गया है कि वे कैंपस के बाहर ठहरने की व्यवस्था करें। ओरिएंटेशन के बाद कैंपस में न रुकने की सलाह दी गई है। अभिभावक ओरिएंटेशन के दौरान संस्थान की पूरी व्यवस्थाओं के बारे में समझ सकेंगे। इन्हें बच्चों की पढ़ाई और मॉनीटरिंग सिस्टम के बारे में भी बताया जाएगा।

आईआईटी छात्रों को ब्याज मुक्त ऋण इसी सत्र से

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आईआईटी छात्रों के लिए ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण योजना पेश की है। आईआईटी में इस शैक्षणिक सत्र में प्रवेश ले रहे छात्र इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। जिन छात्रों के अभिभावकों की सालाना आय नौ लाख रुपये से कम है, वे पांच साल तक बिना ब्याज के शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकेंगे।

मंत्रालय के अनुसार विद्यालक्ष्मी योजना के तहत यह ऋण प्रदान किए जाएंगे। ऋण की अन्य शर्तों में जो बातें जोड़ी गई हैं, वे मूलतः शिक्षा ऋण की भांति ही हैं। मसलन इसमें गारंटर की

विद्यालक्ष्मी योजना

- अभिभावकों की सालाना आय नौ लाख से कम होने पर लाभ
- पांच साल तक कोई ब्याज नहीं अधिकतम ऋण अवधि दस साल

जरूरत नहीं होगी। अभिभावकों ही सह-आवेदक होंगे।

पांच साल की पूरा होने के बाद छात्रों को ऋण की राशि पर शिक्षा ऋण की मौजूदा दरों से ब्याज चुकाना होगा। ऋण योजना के तहत चार वर्षीय बी.टेक कोर्स और पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बीटेक-एमटेक कोर्स को शामिल किया गया है।

गैप ईयर प्रवेश न हो तो करें शिकायत

कानपुर। पढ़ाई से दूर रहने के बाद भी छात्रों को किसी भी कॉलेज में पांच वर्ष तक प्रवेश दिया जा सकता है। ऐसे में हर वर्ष एक प्रतिशत अंक की कटौती की जाएगी। विश्वविद्यालय ने सभी अनुदानित कॉलेजों में सर्कुलर जारी कर दिया है। जिसमें स्पष्ट लिखा है कि पांच साल तक गैप वाले छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। शहर के कुछ कॉलेजों ने गैप ईयर छात्रों को प्रवेश लेने के लिए मना किया था। इसकी वजह से यह आदेश जारी किया गया है। परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर यादव का कहना है कि सभी कॉलेजों में गैप ईयर छात्रों को प्रवेश के लिए आदेश जारी कर दिया गया है।

आईटीआई में 200 छात्रों का प्रवेश: कानपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में गुरुवार तक 200 छात्रों ने प्रवेश ले लिया। पहली मेरिट के प्रवेश 18 जुलाई तक लिए जाएंगे। सबसे ज्यादा प्रवेश मशीनिस्ट, फिटर, टर्नर, इलेक्ट्रीशियन जैसी ट्रेडों को वरीयता दे रहे हैं। प्रधानाचार्य केएम सिंह का कहना है कि छात्रों का प्रवेश जल्दी लिया जा रहा है।

हिन्दुस्तान 15-07-2016

IIT-K, UP police join hands to fight tech savvy criminals

HT Correspondent
htcity.kanpur@hindustantimes.com

KANPUR: The Indian Institute of Technology, Kanpur (IIT-K) has agreed to set up a state-of-the-art forensic laboratory on its premises to assist the Uttar Pradesh police in tackling tech savvy criminals.

UP police had sought the premier institute's help to set up a lab that would help in bettering hazy pictures of criminals recorded on CCTV and decoding encrypted mails and messages on What'sApp and other messaging applications.

In the absence of a hi-tech lab, the police are at present not able to crack the communication made by these criminals.

Sources said, the ADG (law and order) will take a final decision in this matter and a memorandum of understanding (MoU) was likely to be signed between the IIT-K and the UP police soon.

It is believed that by the month end the issue of the lab would materialise.

A senior official of the IIT-K said the institute has completed all the formalities and the police top brass has also been informed.

"The IIT-K right from the start responded with positivity and this partnership will be a milestone," the official said adding "We will send our men to learn the latest technologies at this lab and help us prepare a pool of experts."

Hindustan Times 15-07-2016

IIT-K not to host 4-day celebrations

Times News Network

Kanpur: The four-day programme to observe the first anniversary of Skill India will not be held at IIT-Kanpur. The programme, which was to be held between July 12 and 15, stands cancelled.

This was confirmed by IIT-K deputy director Prof Ajit Chaturvedi. Prime Minister Narendra Modi's visit on July 15 already stands cancelled.

Speculations were rife that the first anniversary of Skill India would not be held at IIT-K even though last month Union minister Rajiv Pratap Rudy had come to inspect and finalise the venue. An exhibition in which companies from India and abroad were to be take part, also stands cancelled.

The Times of India 15-07-2016